एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

UPSC हेतु प्रासंगिकता

- **GS Paper 3** – पर्यावरण, कृषि, ऊर्जा, और तकनीकी विकास
- **प्रीलिम्स** – सरकारी योजनाएं व पहल, नीति आयोग, SDGs
- **GS Paper 2** – अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, कृषि नीति, सामुदायिक सशक्तिकरण
- **Essay** – Food to Nutrition Security, Sustainable Agriculture

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में 7–9 अगस्त 2025 एक ऐतिहासिक अवसर रहा, जब नई दिल्ली स्थित **ICAR-पूसा, IARI** परिसर में **एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का** आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इसे प्रोफेसर स्वामीनाथन के खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि और पर्यावरण संरक्षण में योगदान को समर्पित बताया।

मुख्य बिंदु

- इस सम्मेलन का विषय "**सदाबहार क्रांति, जैवहै "सुख का मार्ग-** जो प्रो. स्वामीनाथन के सभी के लिए भोजन सुनिश्चित करने के प्रति आजीवन समर्पण को दर्शाता है।
- पीएम ने स्वामीनाथन को महान वैज्ञानिक और **'जनसेवा का माध्यम विज्ञान'** बनाने वाला बताया, जिनकी सोच सदियों तक नीति निर्माण में मार्गदर्शक बनी रहेगी।
- कार्यक्रम में प्रो. स्वामीनाथन की विरासत को सम्मानित करने के लिये **एम .एस . स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (MSSRF)** और **द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज (TWAS)** द्वारा संयुक्त रूप से '**खाद्य एवं शांति के लिए एम एस स्वामीनाथन पुरस्कार**' (एम.एस. स्वामीनाथन फूड एंड पीस अवॉर्ड) शुरू किया।
  यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने —

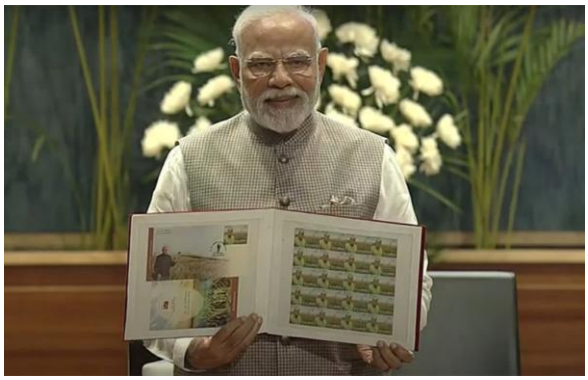

1. **वैज्ञानिक अनुसंधान** के माध्यम से कृषि और खाद्य प्रणालियों में सुधार किया हो।
2. **नीति विकास** में ऐसी पहल की हो जो किसानों और वंचित वर्गों के लिए स्थायी लाभकारी हो।
3. **जमीनी स्तर पर सहभागिता** द्वारा स्थानीय समुदायों को सशक्त किया हो।
4. **स्थानीय क्षमता निर्माण** के जरिए आत्मनिर्भरता और दीर्घकालिक विकास को प्रोत्साहित किया हो।

- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नाइजीरिया के **प्रोफेसर एडेनले** को वैज्ञानिक और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक योगदानकर्ता के रूप में **पहला पुरस्कार** भी प्रदान किया।

एम.एस. स्वामीनाथन के बारे में (1925-2023)

हरित क्रांति

- भारत में हरित क्रांति के मुख्य प्रेरक एवं हरित क्रांति के जनक (1960 के दशक में) माने जाते हैं।
- उन्होंने नार्मन बोरलॉग के सहयोग से उच्च उपज वाली गेहूं एवं चावल की किस्मों को विकसित कर, भारत को खाद्य आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया।
- दाल, गेहूँ और चावल की उपज में विशेषकर पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

"सदाबहार क्रांति" की अवधारणा

- 1990 में उन्होंने **सदाबहार क्रांति** की परिकल्पना दी जिसका उद्देश्य था पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना" पूरी अवधि तक कृषि उत्पादन बनाए रखना।

नीति निर्माण एवं संस्थागत योगदान

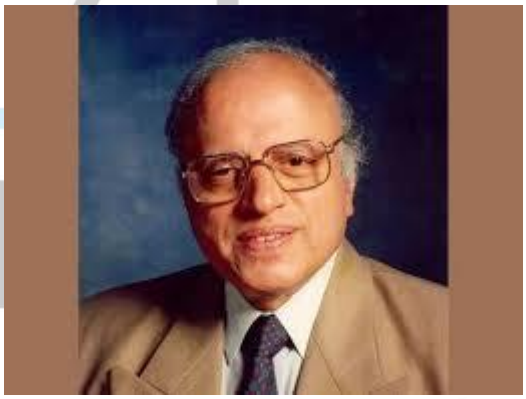

- **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.)** के महानिदेशक (1972–1980) रहे।
- **अंतर्राष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान (आई.आर.आर.आई., फिलीपींस)** के निदेशक रहे।
- **राष्ट्रीय किसान आयोग** (2004) के अध्यक्ष के रूप में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) और किसान कल्याण सुधारों की सिफारिशें दीं।
- **एम. एस. स्वामीनाथन अनुसंधान फाउंडेशन (एम.एस.एस.आर.एफ.)** की स्थापना (1988) की जो सतत कृषि व ग्रामीण विकास हेतु कार्यरत है।

प्रमुख पुरस्कार:

- **विश्व खाद्य पुरस्कार (1987)** — हरित क्रांति में योगदान पर प्रथम प्राप्तकर्ता; पुरस्कार राशि का उपयोग **एम.एस.एस.आर.एफ.** (MSSRF) की स्थापना में किया गया।
- **भारत सरकार** द्वारा **पद्मश्री (1967)**, **पद्मभूषण (1972)**, और **पद्मविभूषण (1989)** से सम्मानित।
- अन्य **अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों** में शामिल हैं — **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** (1971), **अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार (1986)**, **टायलर पुरस्कार**, **UNEP सासाकावा पर्यावरण पुरस्कार (1994)**, **यूनेस्को गांधी स्वर्ण पदक (1999)** और **यूएनईपी** द्वारा **'इकोनॉमिक इकोलॉजी के जनक'** की उपाधि।
- **भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' (2024)** से भी वे सम्मानित हुए।

UPSC PRACTICE QUE

निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को "भारतीय हरित क्रांति का जनक" कहा जाता है।
2. उन्होंने "सदैव हरित क्रांति" की अवधारणा दी।
3. वे पहले भारतीय हैं जिन्हें विश्व खाद्य पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कूट:

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी